N-2

राजस्थान सरकार

निदेशालय स्थानीय निकाय, राज0 जयपुर

जी-3, राजमहल रेजीडेन्सी एरिया, सिविल लाईन फाटक के पास, जयपुर

(Phone & Fax-2222403/2223239 Web-www.lsgraj.org Email ID-dlbrajasthan@gmail.com)

क्रमांक एफ 55( )पीए / सीई / डीएलबी / एमजेएसए / 2020 / 62411-62604 दिनांक 19.8.20

आयुक्त / अधिशाषी अधिकारी
नगर निगम / परिषद / पालिका
समस्त, राजस्थान।

विषयः- रेन वाटर हार्वेस्टिंग के रख-रखाव के संबंध में।

संदर्भः- 1. उप सचिव (एलएस) मुख्यमंत्री कार्यालय का अ.शा.टीप कमांक मुमं -सस(एलएस)/प 2 /स्वायत्त / जय / 20 / 39841 दिनांक 04.08.2020

2. अधीक्षण अभियंता, कार्यालय मुख्य अभियंता जल संसाधन विभाग, राजस्थान, जयपुर के पत्रांक 4759 दिनांक 12.09.2019

उपरोक्त विषयान्तर्गत मुख्यमंत्री कार्यालय से प्राप्त संदर्भित पत्र के माध्यम से अवगत कराया गया है कि प्रार्थी श्री शांति लाल मेहता, निवासी 2, खारा कुआं, न्यू भूपालपरा राडाजी मंदिर के पास, जिला उदयपुर द्वारा माननीय मुख्यमंत्री को संबोधित करते हुए रेन वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर के रख-रखाव हेतु निवेदन किया गया है। इस प्रार्थना पत्र में उन्होने राजस्थान में सरकारी भवनों पर बने रेन वाटर हार्वेस्टिंग के कार्यों में पानी की निकासी ठीक नही होने एवं इनकी समुचित देखभाल नही होने के संबंध में अवगत कराया है, जिससे छतों पर पानी भरा रह जाता है और वह पानी भवनों की हालत को खराब करता है तथा रेन वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर से भूजल के रिचार्ज के मूल उददेश्य की प्राप्ति भी नही हो पा रही है।

अतः आपको निर्देशित किया जाता है कि आप अपने सबंधित नगरीय निकाय की [illegible] वाटर हार्वेस्टिंग के कार्यो की रख-रखाव एवं सफाई को सम्बन्धित संस्था / विभाग से सुनिश्चित करावें, जिससे पानी की निकासी सही प्रकार से हो सके एवं इन कार्यो को करवाने का उददेश्य सार्थक हो सके।

संलः उपरोक्तानुसार।

(दीपक नंदी)
निदेशक एवं विशिष्ट सचिव

क्रमांकःएफ 55( )पीए / सीई / डीएलबी / एमजेएसए / 2020 / 62605-650 दिनांक 19.8.20

प्रतिलिपि निम्न को सूचनार्थ व आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित हैः

1. उप सचिव (एलएस), मुख्यमंत्री कार्यालय, राजस्थान।
2. निजी सचिव, शासन सचिव, स्वायत्त शासन विभाग, राजस्थान।
3. जिला कलक्टर (समस्त), राजस्थान।
4. अतिनिदेशक (क्षेत्रीय), स्थानीय निकाय विभाग, समस्त, राजस्थान।
5. श्री शान्तिलाल मेहता (समाजसेवी), 2, खारा कुआँ न्यू भूपालपुरा राड़ाजी मन्दिर के पास उदयपुर 313001, राजस्थान (Email:-shantilmehta@gmail.com)।
6. प्रोग्रामर, आई. टी. सेल वेबसाइट पर अपलोड हेतु।
7. सुरक्षित पत्रावली।

(भूपेन्द्र माथुर)
मुख्य अभियंता

Scanned with CamScanner

मुख्य मंत्री कार्यालय
राजस्थान सरकार

विषयः– रेन वाटर हार्वेस्टिंग एवं रख–रखाव के संबंध में।

संदर्भः– अधीक्षण अभियंता, कार्यालय मुख्य अभियंता जल संसाधन विभाग, राजस्थान, जयपुर के पत्रांक 4759 दिनांक 12.09.19 के क्रम में।

उपरोक्त विषयान्तर्गत संदर्भित पत्र व प्रार्थी श्री शांति लाल मेहता, निवासी 2, खारा कुआं, न्यू भूपालपुरा राडाजी मंदिर के पास, जिला उदयपुर द्वारा माननीय मुख्यमंत्री को संबोधित प्रार्थना–पत्र का अवलोकन करने का श्रम करें।

निर्देशानुसार निवेदन है कि संलग्न प्रार्थना–पत्र में वर्णित तथ्यों के अनुक्रम में नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करानें का श्रम करावें।

(लक्ष्मण सिंह शेखावत)
उप सचिव (एलएस), मुख्यमंत्री

शासन सचिव,
स्वायत्त शासन विभाग

अशाः टीप क्रमांकः मु.मं.–सस(एलएस)/प–2/स्वायत/जय/20/39841
जयपुर, दिनांक : 14 AUG 2020

Gmail

Cm Vigilance <cmvigilance@gmail.com>

शांति लाल मेहता (समाज सेवी) उदयपुर, राजस्थान 2, खारा कुआं , न्यू भूपालपुरा राडाजी मंदिर के पास – उदयपुर (राज.) 313001 E-MAIL – shantilmehta@gmail.com मो.- 9414264011 क्रमांक/उदयपुर/फा –87/2019/ 2170 दिनांक -05/जून/2019 माननीय मुख्य मंत्री जी राजथान सरकार जयपुर विषय –रेन वाटर हार्वेस्टिंग के रख रखाव की जिम्मेदारी तय करने बाबत पानी की किल्लत को कम करने के लिए सरकार ने करोड़ों रूपये खर्च करके रेन वाटर हार

1 message

Shanti Lal Mehta <shantilmehta@gmail.com> Wed, Jun 5, 2019 at 8:39 PM
To: CMRAJASTHAN <cmrajasthan@nic.in>
Cc: cmv@rajasthan.gov.in, Cm Vigilance <cmvigilance@gmail.com>, "CCC.SAMPARK@RAJASTHAN.GOV.IN" <CCC.SAMPARK@rajasthan.gov.in>, info@cgg.gov.in, hcmrlpa@rajasthan.gov.in

शांति लाल मेहता (समाज सेवी) उदयपुर, राजस्थान

2, खारा कुआं , न्यू भूपालपुरा राडाजी मंदिर के पास – उदयपुर (राज.) 313001

E-MAIL – shantilmehta@gmail.com मो.- 9414264011

39841
21.6.19

क्रमांक/उदयपुर/फा –87/2019/ 2170
दिनांक -05/जून/2019

माननीय मुख्य मंत्री जी

राजथान सरकार जयपुर

विषय –रेन वाटर हार्वेस्टिंग के रख रखाव की जिम्मेदारी तय करने बाबत

पानी की किल्लत को कम करने के लिए सरकार ने करोड़ों रूपये खर्च करके रेन वाटर हार्वेस्टिंग का कार्य करवाया /लेकिन उनकी हालत ऐसी हे कि उनके लिए खर्च किया गया पैसा व्यर्थ ही गया है /इसके नहीं लगाने के पहले फिर भी पानी की निकासी ठीक थी ,कम से कम नालद स पानी जमीन पर तो गिरता था अब तो ऐसे पाइप लगाये जिससे निकासी नहीं हो पाती और पानी छतों पर हे भरा रह जाता हे और वो पानी भवनों की हालत को और ज्यादा खराब करता हे /

जहाँ भी यह कार्य हुआ हे उसमे सही तकनीकी का भी अभाव रहा हे तो निर्माण भी आशानुकूल नहीं हुआ हे जिससे पानी का पुनर्भरण भी नहीं हो पारहा हे / इसपर ध्यान दिया जाना नितांत आवश्यक हे /

मेरा सुझाव हे कि जिन जिन भवनों पर यह कार्य किया गया हे ,वहां के विभागाध्यक्ष उसकी मोनिटरिंग कर आपको लिखित में दे कि मेरे यहाँ का कार्य सही हे , कुछ कमी रही तो उसको ठीक करा दिया गया हे /इसके बाद दुसरे विभाग के अधिकारी द्वारा यह प्रमाणित कराया जाय कि इस कार्य का निरिक्षण मेरे द्वारा किया गया हे और कार्य सही हे यह प्रमाणित करता हूँ /

इसके बाद आप एक जांच दल बनाकर जिसमे सरकारी अधिकारी के साथ सामान्य नागरिक को भी सम्मिलित करके अकस्मात निरिक्षण करवाए /यदि कार्य सही नहीं पाया जाता हे तो जिम्मेदार अधिकारी और प्रमाणित करने वाले अधिकारी के खिलाफ कार्यवाही प्रस्तावित की जाए और उसको ठीक कराने की राशि उनके वेतन से काटी जाय ताकि भविष्य में वो झूठ का सहारा नहीं ले सके /

यदि इसप्रकार के व्यवस्था कर दी जाय तो समन्धित अधिकारी जहाँ एक और अपनी जिम्मेदारी के प्रति सजग रहेंगे तो दूसरी और उनकी लापरवाही का खामियाज़ा खुद के वेतन से भरने का अहसास भी हो जाएगा /

आशा हे आप इस कार्य के लिए सख्त आदेश जारी करके जनता की पसीने की कमाई का दुरूपयोग करने से रोक पायेंगे /

Scanned with CamScanner

शांति लाल मेहता (समाज सेवी) उदयपुर, राजस्थान

2, खारा कुआं , न्यू भूपालपुरा शहजी मंदिर के पास – उदयपुर (राज.) 313001

E-MAIL – shantilmehta@gmail.com मो.- 9414264011

क्रमांक/उदयपुर/फा –87/2019/ 2170 दिनांक -05/जून/2019

माननीय मुख्य मंत्री जी
राजथान सरकार जयपुर

विषय –रेन वाटर हार्वेस्टिंग के रख रखाव की जिम्मेदारी तय करने बाबत

पानी की किल्लत को कम करने के लिए सरकार ने करोड़ों रूपये खर्च करके रेन वाटर हार्वेस्टिंग का कार्य करवाया /लेकिन उनकी हालत ऐसी हे कि उसके लिए खर्च किया गया पैसा व्यर्थ ही गया हे /इसके नहीं लगाने के पहले फिर भी पानी की निकासी ठीक थी ,कम से कम नालदे से पानी जमीन पर तो गिरता था अब तो ऐसे पाइप लगाये जिससे निकासी नहीं हो पाती और पानी छतों पर हे भरा रह जाता हे और वो पानी भवनों की हालत को और ज्यादा खराब करता हे /

जहाँ भी यह कार्य हुआ हे उसमे सही तकनीकी का भी अभाव रहा हे तो निर्माण भी आशानुकूल नहीं हुआ हे जिससे पानी का पुनर्भरण भी नहीं हो पारहा हे / इसपर ध्यान दिया जाना नितांत आवश्यक हे /

मेरा सुझाव हे कि जिन जिन भवनों पर यह कार्य किया गया हे ,वहां के विभागाध्यक्ष उसकी मोनिटरिंग कर आपको लिखित में दे कि मेरे यहाँ का कार्य सही हे , कुछ कमी रही तो उसको ठीक करा दिया गया हे /इसके बाद दुसरे विभाग के अधिकारी द्वारा यह प्रमाणित कराया जाय कि इस कार्य का निरिक्षण मेरे द्वारा किया गया हे और कार्य सही हे यह प्रमाणित करता हूँ /

इसके बाद आप एक जांच दल बनाकर जिसमे सरकारी अधिकारी के साथ सामान्य नागरिक को भी सम्मिलित करके अकस्मात निरिक्षण करवाए /यदि कार्य सही नहीं पाया जाता हे तो जिम्मेदार अधिकारी और प्रमाणित करने वाले अधिकारी के खिलाफ कार्यवाही प्रस्तावित की जाए और उसको ठीक कराने की राशि उनके वेतन से काटी जाय ताकि भविष्य में वो झूठ का सहारा नहीं ले सके /

यदि इसप्रकार के व्यवस्था कर दी जाय तो समन्धित अधिकारी जहाँ एक और अपनी जिम्मेदारी के प्रति सजग रहेंगे तो दूसरी और उनकी लापरवाही का खामियाज़ा खुद के वेतन से भरने का अहसास भी हो जाएगा /

आशा हे आप इस कार्य के लिए सख्त आदेश जारी करके जनता की पसीने की कमाई का दुरूपयोग करने से रोक पायेंगे /

चूँकि अभी बरसात का समय नजदीक आरहा हे तो जहाँ जहाँ भी यह कार्य हुआ हे उसकी मोनिटरिंग की जाय ताकि खामियों का पता लग सके और पानी का सही सही उपयोग हो सके /

आपका
शांति लाल मेहता
वरिष्ठ नागरिक 79 वर्ष

Scanned with CamScanner